

संपादकीय

ठडे दिमाग से सोचे मालदीव

को खिल मालदीव ने भारत को सफ-साफ कह दिया कि वह 15 मार्च तक अपनी सेना वहां से वापस बुला ले। यह बात दोनों पक्षों के उच्चस्तरीय कांग्रेस गुप्त की गवाही को हुई बैठक में बतायी गयी। कांग्रेस गुप्त की यह बैठक मालदीव के गट्टपति मोहम्मद मुहम्मद के एक सप्ताह की चीन बात्रा से लौटने के ठीक बाद हुई।

चीन से लौटने के बाद शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद मुहम्मद ने ऐसा बयान दिया, जिसे कूटनीतिक हल्कों में असामान्य रूप से कहा गया। उन्होंने कहा कि हम छोटे देश हो सकते हैं, लेकिन उस वज़ह से किसी को हमें धौंस दिखाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। वहां ही उन्होंने भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन वह स्पष्ट है कि उनका इशारा भारत की ओर था। कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच एक अप्रैल विवाद हुआ था, जिसमें मुहम्मद सरकार के तीन मत्रियों ने सोशल मीडिया एक्स (पुराना नाम ट्रिवटर) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भद्र कॉमेंट किये थे। इस पर स्वाधारिक ही न सिर्फ भारत सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आयी, बल्कि भारतीयों की भावनाएं भी आहत हुईं। हालांकि मालदीव सरकार ने तीनों मत्रियों के खिलाफ तकाल कर्वाई की, लेकिन सोशल मीडिया पर

#बैकॉटमालदीव का ट्रैड चल गया। फिर भी मालदीव सरकार के ताजा रुख को इस विवाद का परिणाम मानना गलत होगा। वहां काफी समय से इसकी पृथक्षमि तैयार हो रही थी। पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में खुद मुहम्मद ने भारतीय की ओर था, जो उन्होंने कहा कि हम छोटे देश हो सकते हैं,

पीन से लौटने के बाद शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद मुहम्मद ने ऐसा बयान दिया, जिसे कूटनीतिक हल्कों ने असामान्य स्तर से कहा गया। उन्होंने कहा कि हम छोटे देश हो सकते हैं, लेकिन उस वज़ह से किसी को हमें धौंस दिखाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। वहां ही उन्होंने भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन वह स्पष्ट है कि उनका इशारा भारत की ओर था। कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच एक अप्रैल विवाद हुआ था, जिसमें मुहम्मद सरकार के तीन मत्रियों ने सोशल मीडिया एक्स (पुराना नाम ट्रिवटर) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भद्र कॉमेंट किये थे। इस पर स्वाधारिक ही न सिर्फ भारत सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आयी, बल्कि भारतीयों की भावनाएं भी आहत हुईं। हालांकि मालदीव सरकार ने तीनों मत्रियों के खिलाफ तकाल कर्वाई की, लेकिन सोशल मीडिया पर

#बैकॉटमालदीव का

ट्रैड चल गया। फिर भी

मालदीव सरकार के

ताजा रुख को इस

विवाद का परिणाम

मानना गलत होगा।

वहां काफी समय से

इसकी पृथक्षमि तैयार

हो रही थी। पिछले

साल हुए राष्ट्रपति

चुनाव में खुद मुहम्मद

ने भारतीय की

फौज की

वायना

में खुद मुहम्मद

ने ऐसा बयान

दिया।

इंदिरा गांधी के दौर में इंदिरा इज़ इंडिया के नारे के साथ प्रधानमंत्री के आगे पूरा मनिमंडल बौना और अर्थहीन हो गया। बी-ई-धी-ई इज़ मर्ज और कुप्रथा से सभी पार्टियां, राज्य की सरकारें और अफसरस्तरी ग्रस्त हो गयी। महाराष्ट्र के मानले से साफ है कि वहां पर शिवसेना के सर्विधान की बजाये टाकरे की वज़ह से बकाया नेता, विधायक, सांसद और नंगी दल-बदल की मंडी में नीलामी के लिए तैयार हो गयी।

शिवसेना पार्टी में दलबदल के विवाद में

स्पीकर के देश में शिवे या ठाकरे किसी भी गुट

के विधायक को अयोग्य घोषित नहीं

किया गया। पार्टी पर शिवे गुट के कब्जे की मान्यता के बाद ठाकरे गुट के विधायकों के बात सत्ता पक्ष की बैठक में बैठने की बात भी ही रही है। इस पैसलों के बाद दलबदल शिवसेना कानून अप्राप्यग के होने के साथ पूरी पार्टी को हाईकॉर्ट करने का रास्ता साफ हो गया है।

इस पैसलों में चुनाव अयोग, राज्यपाल, स्पीकर और सुप्रीम कोर्ट की भूमिकाओं के निर्धारण के साथ पार्टियों में घट रहे लोकतंत्र का आकलन जरूरी है।

राज्यपाल के देश में शिवसेना

पार्टियों में थेट्रीयां व्यक्ति और

विश्वादार के दम पर चलने वाली

राष्ट्रीय पार्टियां भी हाईकॉर्टमान और एकाधिकारी के मर्ज से मुक्त नहीं हो पा रही हैं। आजादी के बाद नेहरू के समय से ही कैविनेट प्रणाली को कमज़ोर करके प्रधानमंत्री के वर्चस्व की शुरुआत हो गयी थी।

इंदिरा गांधी के दौर में इंदिरा इज़

इंडिया के नारे के साथ प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल बौना और अर्थहीन हो

गया। धीरे-धीरे इज़ मर्ज और कुप्रथा

से सभी पार्टियां, राज्य की

सरकारों और अफसरशाही

प्रकृतण से सबक

लेते हुए अजीत पवार

ने विधायकों का गुट

बनाने की बायां पूरी

जिसपाई पूरी ही

अज्ञान दावा गोक

दिया।

शिवसेना पार्टी के दौर में शिवसेना

पार्टियों से खाली

रहे थे। अजीत पवार

ने शिवसेना

पार्टी के नारे के साथ

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधानमंत्री के आगे

पूरा मनिमंडल

बौना और अर्थहीन

हो गया।

प्रधान

कांग्रेस की न्याय

यात्रा को लेकर बैठक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा

जिला कांग्रेस कार्यालय में

मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी

के अध्यक्ष ईंटोबुल्लाह हक

अंसारी के अध्यक्षता में व्याया यात्रा

को सफल बनाने को लेकर बैठक

हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से

प्रदेश सचिव सह गढ़वा विधायक सभा

प्रभारी लक्ष्मीनारायण तिवारी

उपस्थित थे। बैठक मौजूद सभी

प्रखंड अध्यक्षों, जिला कांग्रेस

कमिटी के पदाधिकारियों, 20 सूत्री

समितियों से कार्यक्रम के

सफलता के लिए राय मंशवारा लिया

जया। सभी लोगों ने तब मन धन से

देश के सबसे सर्वाधिक लोकप्रिय

नेता गहुल गांधी के यात्रा को सफल

बनाने का आहारन किया। इस मौके

पर जिला उपाध्यक्ष कमल कर्ण और,

जिला महासचिव सुशील चौधेरी,

राजेश राजक, जिला सचिव दिवाकर

चौधेरी, जिला प्रवक्ता राहुल दुवे,

महिलाओं प्रखंड अध्यक्ष अमीरुद्धीन

शेख, खर्चारी प्रखंड अध्यक्ष नवल

किशोर यादव, नाना अध्यक्ष मंसूर

अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा

सरकार के प्रमुख योजनाओं यथा

प्रधानमंत्री आयुषान भारत

योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला

योजना, किसान समान निधि

योजना, केसीसी, जल जीवन

मिशन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण

अन्य योजना इवादि योजनाओं की

समृद्धि जनकरी अलखनाथ

प्रस्तुति नेता गढ़वा जिला के जाने-माने

शिक्षाविद् अलखनाथ पांडे

शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित सभी

अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप

प्रज्ञलित कर कार्यक्रम का

शुरूआत किया। कार्यक्रम में

जैसाएलपीएस के स्वयं सहायता

समूह की महिलाओं के द्वारा

उपरियां सभी माचासीन अतिथियों

को बुके देकर और स्वागत गीत के

साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम

में यात्रा नेता पूर्व प्रत्यायी गढ़वा

हो गया।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। स्थानीय

पंचायत भवन परिसर में मंगलवार

को डाक निरीक्षण गढ़वा डिव्हिंग

प्रमंडल ने अखिल भवन के

द्वारा डाक भेजा गया।

गढ़वा (आजाद सिपाही)। यात्रा

में अंग्रेजी शराब जल्द किया है।

पुलिस ने अवैध रूप से अंग्रेजी

शराब बेवरों को नियमित

प्रसाद के रूप में बेवरों

